

विष्णुः श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विष्णु ब्राह्मण २ पासवे क्र मूत्र द्वाय

275

५२३

॥  ॥ गगनजगद्वन्द्वना ॥ गगनजगद्वन्द्वना ॥ दिरुत दिम
 र... नयनाः सकृत्कृष्णदिगमला ॥ गनागाः गनागाः
 गनागाः वसकलातकः दहीनकलतिः द्वादशरुलनति
 रुषिगाः सुकृष्णमकुलमातः तान्द्रुसुलतिः नलमिद
 तामुखाः रगाः सुगगुत्रवत्रन्यसिलगतधति
 नदेः श्रीगना ॥  ॥ गगमात्रता ॥ ता

५२३

वः श्रीवन्दुलीनी २ सिद्धीनी यांयिनी उ
 नि ॥ ॥ नमामि श्री योगमल्लग्या न्यश्वली
 दविगिरि... प्रविश्वरूपवतुर्लपयिष्ये मयि
 दवि... नीदिकिनी चउमिकमोतनी २ वतुलदिगगुत्र
 लनेतुदवि २ गिनीचतुदवीनावतुदवि २ हरीदलवक्राज
 वक्राजसुलजन २ द्वादशकागी समसहस्राव ॥  ॥

॥ गंगामात्रा ॥ गंगामात्र ॥ ० ॥ पूर्वदिगंलीतदंतासनिदविश
दंशुवदनिदविधालीकणिसूत्र ॥ ५२ ॥ नमामिश्रीहर्तबमा
निज्जुनयतिद्रुमाला १ त्रुर्हर्लब अर्धयोगीनीआलिग
नी १ गोश्रीदनिश्वरितमयुतासनीदविशविन्दपाद
नी १ ददवी १ वदनधात्रलूयिनीवागारि
०० दायनदेवी १ कलखञ्जधात्र

॥ नमामिश्रीमहालक्ष्मिगंग
अनी ॥ गंगामात्र ॥ मन्त्रुत्रसमयवद
न्य ॥ ५३ ॥ मन्त्रुत्रवउवापियाले १ आबयुकुक्ष
सर्वत्रजागिनिः श्रीयावद्वलादविश्वतात्रमी ॥ ५४ ॥
उकिनीतामात्रादाखलुलाहात्रयिनीः वालिमात्रवउवा
यिनी ॥ ५५ ॥ कायवाक्यिर्गुमिनीरुबन १ दानय

॥ यासु र अत्र सा ग नी ॥ ॐ ॥ जा ग था गी नी म ती स र्मा
 ॥ ॐ ॥ अत्र स म स्तान गी दे व नी ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ गान उ गि ॥ ॥ स वा का ना म हा सु ख के त यी
 ॥ ॐ ॥ हा य नी ॥ गि रु व न रु लि या उ म हा
 ॥ ॐ ॥ यो द यि म या ॥ ॐ ॥ न या प लि
 ॥ ॐ ॥ य क रु यि नी ॥ स र्व वि क य

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गङ्गाधरः पञ्चभक्त्यादायनी ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स्वर्गलोचनः श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गंगावलि

श्री गङ्गा जी नी वरन सि ल गः गम बन्नी स मल स व डा ॥
॥ गंग ताम कति ॥ गंग मा थ ॥ क म ल वि का सि त वी
य धा स नः क मु कु पि य व न्न स म द हा २ व तु त व द न ल य
द ल ह नः नु य य का शि ता ॥ ५ ॥ न मा मी श्री श्री स द म डी
श्री स क ल गु न रा य स त ग तु २ क म ति द ह न क्ता न
दाः स र्व ग्य क्ता न नी धि सा ग ता ॥ ५ ॥ य थ म

लि ग व ड य लः मु डा आ ती ग न रा शि ताः दि ति
गि लि य क्ता न क र्थः व तु थ व क्ता स व क्ता ल धा ता
मु र व र क्ता यो ग र व न ध म्मा यः व तु थ वा स व क्ता पु
२ व ग न स क्ता गि य य का ती गः कं वि व र्क स य त्ता वि ज
॥ नि म्मा दि व धि हा यि नी मि ल र नी ता रः स र्व य
न नी धिः स व य दा गा २ वृ हं स ल न स त न मा ग ताः व त म

अवतुर्जमेनी ॥ ॐ ॥ गगनामकत्रि ॥ गगनामथा ॥

कृपासगीतः रे वरुनीयाता २ श्री अमिनाह डिन

ता ॥ ॐ ॥ नमामि श्री श्री अनदादिनाक ध्वनः मि

थायितसुमगता ॥ ॐ ॥ मनीमयध्व रिताः यवने

रः त्रकवर्त्तकर्मता सनी ॥ ॐ ॥ वर्तनागपुङ्गवः

नयदाः रुगुमिमुगुमिसयुदाता ॥

सुसमावेरु हवः वागमगिमर्तुतः विधिनिधि

दिनोत्तर ॥ गगनामकत्रि ॥ गगनामथा ॥ ॐ ॥

त्रगमिनाः कातुल्लः मानसनिर्मत्रहिदया ॥ ॐ ॥

का ॥ अतुर्जमेनीनाक ध्वनः ॥ रुगुमिमुगुमिवतयुदाता ॥ ॐ ॥

अतुर्जमेनीनाक ध्वनः ॥ रुगुमिमुगुमिवतयुदाता ॥ ॐ ॥

॥ अतुर्जमेनीनाक ध्वनः ॥ रुगुमिमुगुमिवतयुदाता ॥ ॐ ॥

मिथ॥ उदिर्गुहं वनकर्मनासुनकिन्ननश्त्रिभय
स्वहृदीमेलहृदयकनुनामयनाथाः दहिब्रह्म
दगा॥ ५२ ॥ तुभ्यं देवाङ्गुलङ्गुलसुलनाश्चिह्नं वन

उधारीयाश्चयनमासिद्वजमत्राकेध्याताः कनकने
मनमनी विह्विताश्चकनकसुगुवाधारीश्चामला
लक्ष्मलदयाहलनश्चसुहृज्ज्ञानन्दमूर्तिश्चसुहृज्

नत्रगनः प्रियं यत्नश्चत्रावत्रनसिप्रगतधत्रीय
लक्ष्मणमः प्रियमाशाश्चदहनयायदः खललनाश्चक

नः सर्वत्रकनसयर्कुश्चत्रल्लखविकधारीनाक

मधुसूक्तल्लखअकय॥  ॥ गगवतामि॥ गीत

॥ विह्वल्लखमालायत्रीः दिनकत्रमल्लुनसीदलव

मोदयाजोमीनी॥ ५३ ॥ श्रीदिविपितवकुमकान

10 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039 1040 1041 1042 1043 1044 1045 1046 1047 1048 1049 1050 1051 105

दीपा
उमा

नाथान्नयानत्रसिन्नागा ॥

ॐ

यावत्तुनाथविश्वव्यापिताश्च

पादसंघितगुमासहस्रत्रादि

गोश्लिष्टगोत्रनकोधसंराओः यनि

विद्यनसंहालाश्चकृत्तकधात्रमात्रसंहातावि

युजातीतकिन्नोश्चदसंहाताः तान्नदहाः

275

आदसः कुरुयादलंगा ॥ दानवनामः मानवदधिव

मन्त्रशत्रुना ॥ कायवाहविंशश्चनधत्रंगादिव

शत्रु ॥ एवंरयद्वतनागीतगावं

गामप्रिया ॥ ॐ ॥ गगकर्मोत्तरादि ॥

वन्दुगगमोत्यान्यः सिलसुविज्ञाः वाञ्छुति

॥ गह्रसर्मोत्यान्यः त्रयकविद्व

मिदका
डिगम

अद्याः क क ना ग ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

युसा कः दिगं विदिगं यतिद व गि ल ॥ ३ ॥

नाः क गि सं वी ग लः ना व यि स र ॥ ४ ॥

कै क सी धा ताः व क्ति त म धाः को लो क न म

कै क ना ग ॥ ५ ॥ क सं क र्त्त ल वाः व गि व

गै क ना गः य त क वि क्रा ॥ ६ ॥ त्र स र स म

ना १

घ घाल ना गः य य न्य म धाः व र्त्त म हि नू धा ॥

व न्क स म्म ल्या नः क रं क वि क्राः य नी त म धाः

॥ ७ ॥ धा लां ध क स म्म नः यु कि त वि

ना गः य ल न त म धा ॥ ८ ॥ कि लि कि वा ला न्

नी क ना गः व घ न म धा ॥ ९ ॥ दा द स न्द क

न स र व नाः व लु व क्ति वि व द नाः द

रनयिक नायातः साखरु सर्वलाः कातीता

वाययीवः ना ॥ १२ ॥  ॥ गगकदमना ॥ ग

नीलदं पुनातिग कि रन्य २ उड्डियिगलि केभाः श्री ह

॥ उगतमादक कातीः श्री न्यलासागानी ॥ उ

वाः कतरलि क यातभासिर ॥ ३ ॥ काधाविसहितः

गन्तु सुमाधिर धादस रुडाः कतरतिक धतीया ॥ उ ॥

रुषातः खन मुडा रनन्य २ वाद्यव र्मय तदितगः

लमागा ॥ उ ॥ वस्त्रामह ग्वलः नालायन ०० लुश्वा

रुलः यदुमागमदनं ॥ उ ॥  ॥ गगगुआ

॥ नमलतिदल संता नुह विताजि ता २

क्रि रू व ताव तज क रू या २ डा कि नीवलनि धी रुडा

गोवनी ॥ २ ॥ श्रीधवीति गकि रू र व मा क

व न्य श्व तीर ती निच क रं दि नी गि
क र गि नि ला क बा पि ता र अ क य नि
शु क गु ति म गु ति व त द दि म मा ता र श्व व ज यो गी ना
न ना ॥  ॥ गा ग त ता डा त्रि ॥ गा त म क मा ० ॥
ज त म्मा द स ति न य ना र कं श्व श्व ला क र सिं द र ले
प ॥ ५२ ॥ तु ना ताः त ना ता र द्या द्य ल न उ त हा ध य र गु

व ती र ले उ मुर अ क स त धा त्रि ता र अ क नि त म्मा नि मा द नि
दि म धा न क मुर क ल्या न मि ता र स र्ज म धा या ता ल ती
ग न य ति यु जि त स र्व का र्य सिं दि ॥  ॥
॥ गा त मा ध ॥ उं आ ह ० श्व ला व म र तिः नि त जि
का ० र य वा त म्मा द त ति न य न र वा ति वं द न
जी ॥ ५२ ॥ द व श्व म हा का त र्क का ल मु र तिः

वंग ॥ गारुडकृतलिखयत्रखञ्जलिशुभः सा
 गारुडकृतलिखयत्रखञ्जलिशुभः सा
 गारुडकृतलिखयत्रखञ्जलिशुभः सा

॥ त्रिंशत्तिसृष्टी उक्ता श्चैव तत्रैव गच्छात् न
ह्यः सिंहाय पितर्यकं ता ॥ ५२ ॥ श्री दत्तामहा
॥ नव्यापिताः दत्ताष्टुननस्य विगार संगं युतुव

[illegible]

यद्वाता रजसजलमनुवः सूगमस्य शितः

॥ य ३ ॥ ॥  ॥ ॥ गगनगिरिः तात्र इजमा

मरुद्वेन धाति आन्यमउरति यल्लक वः

लल्लमउरतिः सर्वजिनवर्दिनः दक्षिणरुहं ॥ ५२ ॥

शिवसुधासाधवीः गच्छ श्री एत न विदु बिगंशकनक

१५७ नः मय्य ता म नीः सति ता स न डा रि ड रु त न ॥ वृद्ध ग

॥ गत दक्षिणः श्री केशव नवाग्रवज्रयात्रिः ०० नादवी २ जम्बन

लीलवतं वा प्रवर्त्तनं शुद्धवर्त्तनं ॥ विदीक्षुः तावत्तमात्रं

उच्यते उत्तराश्विनामगच्छति यत्र यज्ञाकाः तदहम्

पूर्वमा नीरुद्रः दक्षीनं पुरुतरुद्रः पश्चिमं रुद्रः

सगु फास न सति दं बीः च न्य का गाउ

॥ ॐ ॥ नागदहनामकति ॥ मात्रमाथ ॥

मृगमत्तिका

मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
॥ उद्धिताः कृत्य ताक विता ना ॥
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना

मृगमत्तिका

मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना
मृगमत्तिकाः उद्धिताः कृत्य ताक विता ना

